

হরি হে তুমি তাই দূরে থাক স'রে  
হরি প্রভু ব'লে মোরা দূরে রাখি  
পাষণ দেউলে রাখিয়াছি হায়  
তোমারে পাষণ ক'রে ॥

তোমায় চেয়েছিল গোপিনীরা  
সেদিন চেয়েছে মীরা ডেকে প্রিয়তম ব'লে  
তোমায় গোপাল বলিয়া ডাকিয়া পাইল  
যশোদা মা শচী-কোলে ।  
অন্তরতম হতে নিশিদিন থাক তুমি অন্তরে ॥

দেবতা ভাবিয়া পূজা দিই মোরা তুমি তাহা নাহি খাও,  
তুমি লুকায়ে ভিখারী সাজিয়া মোদের পাতের অন্ন চাও ।  
রাখাল ছেলের আধ-খাওয়া ফল  
কেড়ে খাও তুমি হে চির-সজল,  
মোরা ভয় করি তাই লুকাইয়া থাক তুমি অভিমান ভরে ॥

জে.এন.জি. ৫৪৭৩ ॥ শিল্পী : ভাবানীচরণ চন্দ্র দাস ॥ ভজন ॥ তাল : দাদরা ॥ সুর : কাজী নজরুল

ক্ষা পা <sup>ক্ষা</sup> পা - - - - - - - - - - - - - - -  
হ রি হে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

গা ক্ষা পা -স'না নদা দপা পা দপা -ক্ষপক্ষা - ক্ষপা ক্ষা -পা -  
তু মি তা ০ই দূ ০ রে ০ থা ক ০ ০০ ০ স'০ রে ০ ০

গা ক্ষা II( ক্ষা পাঃ পঃ | দপাঃ পঃ দপাঃ I ক্ষঃ ক্ষপা ক্ষগা | গাঃ (গঃ ক্ষা I  
হ রি ঞ্জ ভু ব লে ০ মো রা ০ দূ রে রা ০ খি তু মি

I পা -স'না নদা | দপা পা দপা I ক্ষা পা - | -ক্ষপা গা ক্ষা)) - - I  
তা ০ই দূ ০ রে ০ থা ক ০ স রে ০ ০০ হ রি ০ ০

I -া -া -া | -া -া -া I গা গক্ষপা-গক্ষগা | -া ঝসো সা I  
০ ০ ০ | ০ ০ ০ পা ষা০০ ০০ণ্ | ০ দেউ লে I

I ঙ্গঃ সমাঃ মঃ | মা মপা -মপা I -মপা -মপা ²-গা | -া -া -া I  
রা খি০ রা | ছি হা০ ০০ | ০০ ০০ ০ | ০ ০ য় I

I গা গক্ষা ক্ষা | ক্ষ ক্ষর্সা -া I নর্সা -াঃ -র্সনঃ | -নদা -পা -া I  
তো মা০ রে | পা ষা০ ণ্ | ক'রে ০ ০০ | ০০ ০ ০ I

I পা -র্সনা নদা | দপা পা দপক্ষা I ঙ্গঃ পাঃ -ক্ষঃ | -গক্ষপাঃ গঃ ক্ষ I  
তা ০ই দূ০ | রে০ থা ক০০ | ০স' রে ০ | ০০০ "হ রি" I

সা সা II{ সা সগা গা | গা মা পা I গপমা মগা³ গা | -া (সা সা) } I -া -া I  
তো মায্ চে য়ে০ ছি | ল গো পি | নী০০ রা০ ০ ০ তো মায্ ০ ০

I মা মপা -পা | পা পধপা পধপমা I ঙ্গমপঃ ক্ষপা -া | -মপমা -গা -া I  
সে দিন ০ | চে য়ে০০ ছে০০০ | ০মী০ রা০ ০ | ০০০ ০ ০ I

I মা মপা পা | পা ধা না I পধা পা -র্সনা | -ধনধা -পা -া I  
ডে কে০ খ্রি | য় ত ম | ব০ লে ০০ | ০০০ ০ ০ I

I { ধা ধা -র্সা | র্সা র্সা র্সা |  
পা ধা -র্সা | না র্সা নর্সা I (-া -া ১ | -া পা পধা) } I  
গো পা ল্ | ব লি যা০ | ০ ০ ০ | ০ তো মায্ I

I না র্সা নধা | ধা -গা ধপা I মা মপা পা | পা ধা না I  
ডা কি য়া০ | পা ই ল০ | য শো০ দা | মা শ টী I

I পধা ধণা -পা | -া -া -া I র্সা -র্সা র্শর্মা | র্শা র্শা র্শর্পর্মা I  
কো০ লে০ ০ | ০ ০ ০ | অ ন্ ত০ | র ত ম০০ I

I र्मा र्मर्गा र्गा | र्मर्मा र्मर्गा र्मा I -र्रर्गरी -र्सा -ना | -ा -ा -ा I  
ह ते० नि शि० दि० ० ००० ० ० ० ० ० न्

I पा पना ना | ना र्सा -र्रर्सा I ना र्सा -ना | र्दा -पा -ा I  
था क० तु मि अ ०न् त रे ० ० ० ०

I पा -र्साना नदा | दपा पा दपक्का I क्का पा -ा | -गक्कगाः गः क्का II  
ता ०ई दू० रे० था क०० स' रे ० ००० "ह रि"

II{ गमा र्गा र्सा | सा सा सा I धा धणा पधणा | र्पा पा पा I  
दे० व० ता भा वि या पु जा० दि०० इ मो रा

I ःगः मा पा | धा ना नर्सा I धनर्साना -र्सनर्साना -धा | (-पा -ा -ा) II -पा {पा धा I  
०तु मि ता हा ना हि० था००० ०००० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०

I धा धर्सा र्सा | ना र्सा नधा I धा धा धा | -ा धा धणा I  
लु का० ये ति खा री० सा जि या ० मो देव्

I ःपः पधणा धपा | मा -गा र्रगा I गपा -मपमा -गा | (-रा)} -रा -ा -ा I  
०पा ते०० र० अ न् न० ता ००० ०

I{ मा मा -पा | पा पधपा -पमा I माः -धः पधा | मपा र्गा -मा I  
रा खा ल् हे ले०० ०र् आ ध् था० या० क ल्

I मा मपा पा | -ा पा धणा I पधा धर्सा र्सा | र्साना र्सा -ा I  
के डे० था ० तु मि० हे० टि० र स० ज ०

I (-ा -ा -ा | -पा -ा -ा) II -ा -ा -ा | -ा र्सा र्मर्गा I  
० ० ० ० ० ० ल् ० ० ० ० ० ० ल् मो रा०

I সর্মা -র্মা র্মা | র্মা র্গা -র্মা I -ৱা -ৱা -ৱা | -ৱা -র্গা -র্মা I  
ড০ য় ক | রি তা ০ ০ ০ ০ | ০ ০ ই

I রা র্গা র্গা | র্গা র্গা না I -ৱা -ৱা -ৱা | -ৱা -ৱা -ৱা I  
লু কা০ ই০ যা০ থা০ ক ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

I পা পনা না | না সর্মা -র্গা I না সর্মা -না | "দা -পা -ৱা I  
তু মি০ অ | ভি মা ০ন্ ভ রে ০ ০ ০ ০

I পা -র্গা নদা | দপা পা দপক্ষা I ক্ষা পাঃ -ক্ষাঃ | -গক্ষাঃ গঃ ক্ষা II II  
তা ০ই দূ০ রে০ থা ক০০ স রে ০ ০০০ "হ রি"